हैं कि यह दवा खाओ, यह जड़ी बूटी खाओ तो अच्छे हो जाओगे । एक खाता है, दूसरा खाता है, तीसरा खाता है, चौथा खाता है और फिर इससे जब फायदा होता है तो वह दूसरों को बतलाता है कि मैंने यह जड़ी बूटी खाई थी, जिसकी वजह से मुझ को फायदा हो गया है । तिब और यूनानी में कहा जाता है कि जब शहर के अन्दर कोई बीमार हो जाता था, तो वह शहर के बाहर फाटक में बैठ जाता था, फिर जो मुसाफिर आते थे, बीमार उनसे पूछता था कि मुझे ऐसी ऐसी बीमारी है, क्या तुमने कभी सुना है किसी को ऐसी बीमारी हुई है और किस दवा से उसको फायदा हुआ । इस तरह से लोग दूसरों से मालूम करके इलाज करते थे कि इस दवा के खाने से फलां फलां बीमारी अच्छी हो जाती है । जैसा अभी वर्मा जी ने बतलाया कि गले में घेंघा हो जाने पर कान छेदने से ठीक हो जाता है । हलक खराब हो गया तो नमक का गरारा करने से अच्छा हो जाता है । इस तरह से बहुत सी चीजें बन गई थीं और जो थिंकर्स थे, उन्होंने जनरलाइज करके ऐसे प्रिन्सिपल्स निकाले, जिनसे यह मालूम होता है कि इस दवा को खाने से हलक को फायदा पहुंचता है या पेट को फायदा पहुंचता है ।

5 P.M.

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI BANKA BEHARY DAS) : You may continue your speech tomorrow. Now the Home Minister.

PROCLAMATION UNDER ARTICLE 356 OF THE CONSTITUTION IN RELATION TO THE STATE OF KERALA

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF HOME AFFAIRS (SHRI K. S. RAMASWAMY): Sir, I beg to lay on the Table—

(i) a copy of the Proclamation issued by the President on August 4, 1970, under Article 356 of the Constitution in relation to the State of Kerala, under Clause (3) of the said Article;

(ii) a copy of the Order dated August 4, 1970, made by the President under sub-clause (i) of Clause (c) of the Proclamation; and

(iii) a copy of the Report of the Governor of Kerala to the President recommending the issue of Proclamation.

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI BANKA BEHARY DAS) : The House stands adjourned till 11 o'clock tomorrow.

The House then adjourned at one minute past five of the clock till eleven of the clock on Wednesday, the 5th August, 1970.

GIPN—S7—44 R.S (ND)/70—24-1-71—570.